फर्द अहकाम

(नियम 26)

अज अदालत उपखण्ड अधिकारी मुकाम अजमेर

मिट्ठू ..... बनाम भंवर व अन्य .....

किस्म मुकदमा 88, 188,92 अ मुकदमा नम्बर 43 / 2004.....सन .....

तारीख पेशी	हुक्म या कार्यवाही श्री श्री	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील मे जारी हुए
16.10.2019	पत्राावली पेश हुई। वादीगण अभिभाषक उपस्थित । प्रतिवादी अभिभाषक उपस्थित । प्रतिवादी अभिभाषक द्वारा पत्रावली पर निवेदन किया कि दिनांक 23.12.2008 को प्रकरण में तनकियात कायम की जाकर वादी साक्ष्य हेतु दिनांक 19.2.2009 को नियत की गई। जिस हेतु दिनांक 24.6.2009, 11.9.2009, 3.2.2010, 27.9.10, को वादी साक्ष्य हेतु अवसर प्रदान किये गए। जिस हेतु दिनांक 12.7.2011 को वादी साक्ष्य हेतु अन्तिम अवसर प्रदान किया गया । तत्पश्चात आदेशिका दिनांक 17.7.2019 को वादी साक्ष्य हेतु अन्तिम अवसर प्रदान किये जाने पर भी आज दिनांक तक न्यायालय आदेश की पालना नही की गई है जिसे न्यायालय आदेशो की अदम पालना में निरस्त किए जाने का निवेदन किया गया । हमने पत्रावली का अवलोकन किया जिससे परोकार सरकार द्वारा प्रस्तुत तथ्यों की पुष्टि होकर न्यायालय आदेश दिनांक 24.6.2009, 11.9.2009, 3.2.2010, 27.9.10, 12.7.2011 की प्रभावी आदेशिका दिनांक 17.7.19, के बावजूद कई अवसर प्राप्त किए जाने के उपरान्त भी पालना नही की गई है। वादीगण द्वारा लगभग सात वर्ष आठ माह व्यतीत हो जाने के उपरान्त भी वादी साक्ष्य प्रस्तुत नही किये जाने से वादी एवं उनके अधिवक्ता की उक्त वाद को चलाए जाने में ना तो किसी प्रकार की कोई रूचि प्रकृट होना प्रतीत होती है इस प्रकार कानूनी प्रावधानो के तहत वादी अपने हक अधिकारो के प्रति सजग नही रहता है उसकी न्यायालय की किसी प्रकार से कोई सहायता प्रदान नही कर सकता है। अतः वादी का वादपत्र न्यायालय आदेशो की अदम पालना में निरस्त कर खारिज किया जाता है । पत्रावली फैसल शुमार होकर नम्बर से कम हो । उपखण्ड अधिकारी अजमेर	

Scanned by CamScanner

Signature Not Verified
Digitally signed by Artika Shukla
Date: 2019.11.20 13:30:56 IST
Reason: SelfAttested